

**जनसम्पर्क**

1. जनसंपर्क की अवधारणा: स्वरूप, सिद्धांत और विकास
  - जनसम्पर्क का स्वरूप (अर्थ, परिभाषाएँ), जनसम्पर्क के सिद्धांत, जनसम्पर्क एवं अन्य विधाएँ
  - सरकारी तथा गैर सरकारी तंत्र में जनसम्पर्क
  - आंतरिक और बाहरी जनसम्पर्क, संकटकालीन स्थितियों में जनसम्पर्क
  - जनसम्पर्क के साधन और प्रकार
2. जनसम्पर्क की प्रक्रिया एवं संगठन
  - जनसम्पर्क अधिकारी (कार्य और दायित्व)
  - जनसम्पर्क की तैयारी : जनसम्पर्क अभियान
  - जनसम्पर्क लेखन
  - जनसम्पर्क प्रबंधन, थिंकटैंक जनसंपर्क
3. जनसम्पर्क के विविध आयाम
  - जनसम्पर्क और उद्योग, जनसंपर्क और विज्ञापन
  - सामाजिक तनाव, प्राकृतिक आपदा और जनसम्पर्क
  - जनसम्पर्क और चुनाव (लोकसभा-विधानसभा)
  - जनसम्पर्क और मीडिया, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जनसंपर्क एजेंसियाँ
4. व्यावहारिक कार्य
  - सरकारी जनसंपर्क विभागों के संगठन और योजनाओं का अध्ययन
  - गैरसरकारी जनसंपर्क विभागों के संगठन और योजनाओं का अध्ययन

**सहायक पुस्तकें**

**आवश्यक अध्ययन सामग्री:**

1. जनसम्पर्क प्रचार एवं विज्ञापन, डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ
2. जनसम्पर्क सिद्धांत और व्यवहार, डॉ. सुशील त्रिवेदी एवं शशिकांत शुक्ल
3. प्रभावी जनसम्पर्क, डॉ. मनोहर प्रभाकर एवं डॉ. संजीव भानावत
4. भारत में जनसंपर्क, डॉ. बलदेवराज गुप्त

**अन्य अध्ययन सामग्री:**

1. जनसम्पर्क : स्वरूप और सिद्धांत, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
2. वैकल्पिक मीडिया और नॉम चोमस्की, सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. जनसंपर्क-प्रबंधन, कुमुद शर्मा